Raj Express (Indore), 26th January 2024, Page No. 14

# उज्जैन के सैटेलाइट परिसर को मिली सैद्धांतिक सहमति

## केंद्रीय शिक्षा व कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिले सीएम डॉ. यादव

### मुख्यमंत्री ने सभी नवाचार में सहयोग के लिए दिया धन्यवाद

**भोपाल, (प्रसं)।** उज्जैन के सैटेलाइट परिसर को सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा व कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से उनके निवास पर भेंट कर शिक्षा और कौशल विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर द्वारा उज्जैन में सैटेलाइट परिसर स्थापित करने की परियोजना तैयार कर वर्ष 2023 में शिक्षा मंत्रालय को स्वीकृति के लिए भेजी गई थी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन सैटेलाइट परिसर एक महत्वपूर्ण परियोजना है, जिससे पूरे भारत और विशेष रूप से मप्र के छात्रों, शिक्षकों और औद्योगिक कर्मियों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री प्रधान को जानकारी दी कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली द्वारा मप्र में चार फ्यूचर स्किल कोर्स चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में संचालित किए जाने वाले कोर्स में तकनीकी सलाहकार के रूप में आईटीई, सिंगापुर के स्थान पर अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली को तकनीकी सलाहकार बनाए जाने का भी निर्णय लिया गया है। डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री का इन सभी नवाचारों में सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रधान को इन कौशल उन्नयन नवाचारों के शुभारंभ के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। प्रधान ने आमंत्रण सहर्ष स्वीकार किया। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को उड़ीसा के महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साई के बारे में अवगत कराया जिन्होंने असीरगढ़ किले के कारावास में लगभग 35 साल से अधिक समय गुज़ारा था। सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार द्वारा शीघ्र ही असीरगढ़ किले में स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साई की प्रतिमा स्थापित कर उनके सम्मान में स्मारक बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्मारक से मप्र और उड़ीसा राज्यों के सांस्कृतिक संबंध मधुर और प्रगाढ़ होंगे।

### मप्र का बजट तकनीक आधारित, पारदर्शी और विकासोन्मुख होगा

सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन से भी उनके निवास पर भेंट कर प्रदेश की वित्तीय स्थिति और प्रबंधन से संबंधित विविध विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय वित्त मंत्री से प्रदेश की विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्तुत किए जाने वाले बजट पर मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। सीएम ने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि आगामी बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुसार तकनीक आधारित, पारदर्शी और विकासोन्मुखी हो। बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रदेश के वित्तीय प्रबंधन और सुधार के कार्यों को सराहा और आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार प्रदेश सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की वित्तीय कठिनाई नहीं आने देगी। सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय वित्तीय मंत्री का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर अभिवादन किया। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण को उज्जैन स्थित महाकाल लोक भी पधारने का न्योता दिया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।